7-05-2020

Dr. Purnima Singh
Department of political Science
B.A part. I paper. I
Topic - Justice - 4 Basic principles of political theory
Lecture - 45.

जॉन रॉल्स के सिद्धान्त की विशेषताएँ - 4
(characteristics of John Rawl's theory of justice)

3. अवसरों की समानता (Equality of opportunities)

रॉल्स के न्याय के सिद्धांत की एक विशेषता यह है कि प्रत्येक व्यक्ति को समाज में विकास के समान अवसर प्राप्त होने चाहिए। रॉल्स के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को समाज में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त होना चाहिए। राज्य में प्रत्येक व्यक्ति को धन कमाने की छूट होती है। लेकिन राज्य या सरकार द्वारा उन पर कुछ प्रतिबंध लगाए जाते हैं। सरकार को ऐसे नियमों व अधिनियमों का निर्माण करना चाहिए जिससे बाजार में प्रतियोगिता बनी रहे अर्थात वस्तुएँ माँग व पूर्ति के आधार पर बाजार में बिक सकें। इस संबंध में रॉल्स ने निम्नलिखित सुझाव दिए हैं —

1. भौतिक साधनों का प्रयोग समाज की अधिकतम भलाई के लिए होना चाहिए।
2. सम्पत्ति एक वर्ग या लेख्या के हाथों में केन्द्रित नहीं होनी चाहिए अर्थात् सम्पत्ति का विकेन्द्रीकरण होना चाहिए।
3. लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं (रोटी, कपड़ा

मकान, शिक्षा) की पूर्ति होनी चाहिए।

4. समाज में सभी को विकास के उचित व समान अवसर प्राप्त होने चाहिए।

4. क्षतिपूर्ति की अवधारणा पर बल (Emphasis on Ethics of Redress) - रॉलस् के न्याय का सिद्धांत इस बात पर बल देता है कि राज्य का यह कर्तव्य है कि धन का वितरण न्यायिक होना चाहिए। न्यायिक वितरण का अर्थ है कि गरीबों में भी गरीब को सहायता करना, उदाहरण के लिए, अनाथ बच्चों, बेकार, अपंग व असहाय वृद्ध आदि को आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए। इसका दूसरा उदाहरण भारतीय उच्चतम न्यायालय की भाषा में creamy layer का हवाला दिया जा सकता है। Rawls के अनुसार समाज एक माला है जिसको अमीर और गरीब नामक कड़ियों (व्यक्तियों) को मिलाकर बनाया गया है। यदि माला की एक भी कड़ी कमजोर होगी तो माला टूट जाएगी। इसलिए रॉलस का न्याय का सिद्धांत माला की कमजोर से कमजोर कड़ी को मजबूत करता है।

5. वस्तुओं का न्यायपूर्ण वितरण (Judicious Distribution of Primary Goods)

रॉलस एक ऐसी शासन प्रणाली के पक्ष में थे जिसमें सबको अधिकार व स्वतन्त्रताएँ प्राप्त हो। वे बेन्थम के उपयोगितावाद के सिद्धान्त को उचित नहीं मानते थे। बेन्थम के अनुसार वही राज्य या सरकार उत्तम है जो अधिकतम व्यक्तियों को अधिकतम सुख प्रदान करती है।

रॉल्स का मानना है कि अधिकतम लोगों के अधिकतम सुख की कल्पना में निम्न क्रम के व्यक्तियों को कितनी हानि होगी इसकी कल्पना शायद जैन्थम नहीं कर सका था। उसका आशय कहना है कि सुखी व्यक्तियों को और अधिक सुखी बनाने से दुखी व्यक्तियों के दुखों को कम नहीं किया जा सकता है। इसलिए प्राथमिक वस्तुओं का वितरण न्यायपूर्ण होना चाहिए अर्थात स्वतन्त्रता, समानता अधिकार, शक्तियों और अवसरों का न्यायपूर्ण वितरण हो।

6. समाज में न्याय सर्वोत्तम गुण के रूप में (Justice as the best quality of Society) - Rawls का मानना है कि उत्तम समाज में अनेक गुण पाए जाते हैं। लेकिन उन गुणों में न्याय को सर्वोत्तम गुण माना जाता है। न्याय की अवहेलना से समाज कल्याण को नुकसान पहुँचता है और जब समाज में न्याय की कमी होती है या न्याय को कोई नुकसान पहुँचता है तो समाज नैतिक पतन की ओर बढ़ता है।

भारत में सामाजिक न्याय
(Social Justice in India)

सामाजिक न्याय का अर्थ है कि किसी देश में नागरिकों में जन्म, जाति, नस्ल आदि के आधार पर किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं किया जाए। जिस समाज में नागरिकों को विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं वहाँ सामाजिक न्याय की स्थापना नहीं हो सकती।

सामाजिक न्याय की प्राप्ति के लिए निम्नलिखित व्यवस्थाएँ अनिवार्य हैं-

1. धन का उचित वितरण
2. काम करने का अधिकार
3. जाति-प्रथा का अंत
4. विशेषाधिकारों की समाप्ति
5. श्रमिकों के हितों की सुरक्षा

भारत में आर्थिक न्याय -
1. आर्थिक विषमताओं को समाप्त करना
2. असीमित सम्पत्ति के अधिकार का अभाव
3. आर्थिक सुरक्षा
4. धन का उचित वितरण
5. उचित वेतन का अधिकार

भारत में राजनीतिक न्याय
1. प्रजातंत्रीय शासन प्रणाली
2. राजनीतिक दलों का निर्माण
3. स्वतन्त्र व निष्पक्ष प्रेस
4. राजनीतिक अधिकारों का अस्तित्व
5. नियतकालिक चुनाव

न्याय व समानता में संबंध - न्याय व समानता एक-दूसरे से सम्बन्धित है। यह कहा जा सकता है कि जहाँ समानता है वहीं न्याय है और बिना समानता के न्याय नहीं हो सकता। Aristotle ने तो न्याय को ही समानता कहा है। Laski के अनुसार "समानता से तात्पर्य सभी को उसकी योग्यता और शक्ति के अनुसार विकास के उचित अवसर प्रदान करना है।

कानूनी समानता से तात्पर्य यह है कि सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता प्राप्त होनी चाहिए तथा सभी को कानून से समान संरक्षण प्राप्त हो। न्याय की माँग है कि नागरिकों को सामाजिक व आर्थिक न्याय प्राप्त हो।